**647510** **BRS5HinF011B** **Seat No :_____**

# B.R.S. Semester - 5 (Remedial) (*CBCS*) Examination
## March/April-2022 (NEW COURSE)
## F-11 Hindi Literature & Language Correction(Foundation-11)

**Time: 2:30 Hours** **Marks: 70**

**Instructions:**

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

---

प्रश्न.-१ निम्नांकित प्रश्नों के सूचनानूसार उत्तर दीजिए: (१४)

१. जिसकी बाहुऐ दीर्ध है- शब्द समूह के लिए शब्द दीजिए।
२. जो पुस्तको की आलोचना या समीक्षा करता है- शब्द समूह के लिए शब्द दीजिए।
३. साहित्य शब्द की परिभाषा दीजिए।
४. अनुवाद शब्द की व्याख्या दीजिए।
५. स्वधर्म और सद्‌वृत शब्द के विरूध्धार्थी शब्द दीजिए।
६. पूर्ववर्ती और निरामिष शब्द के विरूध्धार्थी शब्द दीजिए।
७. देशज शब्द के उदाहरण दीजिए।
८. विदेशी शब्द के उदाहरण दीजिए।
९. जेम्स होवेलहोचैल ने दी हुई पत्र की परिभाषा लिखें।
१०. रात और संध्या के बीच की बेला- शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए।
११. द्रुत गमन करने वाला- शब्दसमूह के लिए शब्द दीजिए।
१२. उन्मूलन- और अर्कज्य शब्द का विरूध्धार्थी दीजिए।
१३. तत्सम् शब्द किसे कहते है, परिभाषा दीजिए।
१४. तद्‌भव शब्द किसे कहते है, परिभाषा दीजिए।

प्रश्न.-२ पत्र की परिभाषा देकर- अच्छें पत्र की विशेषताऐ लिखें। (१४)

अथवा

प्रश्न.-२ अनुवाद के विविध प्रकारों की चर्चा करें।

प्रश्न.-३ अनुवाद शब्द का अर्थ, परिभाषा और उपयोगिता के बारें में चर्चा करें। (१४)

अथवा

प्रश्न.-३ हिन्दी शब्द समुहों की विस्तृत चर्चा, उदाहरण देकर करें।

प्रश्न.-४ निम्नांकित टिप्पणीयों में से किसी तीन टिप्पणीयों को विस्तृत चर्चा करें। (१४)

१. साहित्य शब्द को व्याख्या देकर- साहित्य के उदेश्य के बारे में लिखे।
२. नोकरी हेतू आवेदन पत्र का नमूना तैयार करें।
३. संपादक के नाम पत्र लिखे।
४. पुस्तक मंगवाने के लिए राजकमल प्रकाशन को सूचि देते हुए पत्र लिखें।

प्रश्न.-५ निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती भाषा में अनुवाद करें। (१४)

भ्रटाचार अंतत: दो बातों पर निर्मर करता है।– अपूर्ण इच्छा पूर्ति के अनुचित अवसर पर यदि आप उतने ही पांव फैला रहे है। जितनी आप की चादर है वो आप के भ्रष्ट्राचार का प्रलोभन नहीं मिलेगा या आप के मनमें कोई अपुर्ण इच्छा तो है, किन्तु उसे अनुचित ढंग से पूरी करने का अवसर न मिले तो भी आप भ्रष्टाचार से बच सकेगें। हमें अन्नत और आदर्श जीवन के लिए सदाचार का पालन करना होगा और भ्रष्टाचार से बचना होगा। सच्चा धर्म सदाचार पर निर्भर है। धर्म का जन्म आचार से होता है।– सदाचरण सदाचार धर्मचरण है। और भ्रष्टाचार पायाचरण है।

**********